PBC-16070301010900 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

November / December – 2018

Hindi : Core-1

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ मैथिलीशरण गुप्त के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ गुप्तजी के काव्य की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १५

२ 'जयद्रथवध' खंडकाव्य के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए । १५

अथवा

२ 'जयद्रथवध' खंडकाव्य के नायक अर्जुन का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''हे तात ! तजिये सोच को, है काम ही क्या कलेश का ?
मैं द्वार उद्‌घाटित करूँगा व्यूह बीच–प्रवेश का ।''

(२) ''मैं सत्य कहता हूँ सखे ! सुकुमार मत मानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा जानो मुझे ।''

(३) ''शर खींच उसने तूण से कब, किधर सन्धाना उन्हें,
बस विद्ध होकर ही विपक्षी वृन्द ने जाना उन्हें ।''

(४) ''परिणाम को सोचे बिना जो लोग करते काम है,
वे दुःख में पड़कर कभी पाते नहीं विश्राम है ।''

(५) ''मार्तण्ड अस्ताचल निकंट घन मुक्त सा देखा गया,
है जान सकता कौन हरि का कृत्य नित्य नया नया ।''

४ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथवध' खंडकाव्य की समीक्षा कीजिए । १५

अथवा

४ अभिमन्यु की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । १५

५ 'जयद्रथवध' खंडकाव्य के प्रथम सर्ग की विस्तृत चर्चा कीजिए । १०

अथवा

५ उत्तरा का चरित्र–चित्रण कीजिए । १०